09-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

“मीठे बच्चे - बाप के साथ उड़ने के लिए कम्पलीट प्योर बनो, सम्पूर्ण सरेन्डर हो जाओ, यह देह मेरी नहीं - बिल्कुल अशरीरी बनो"

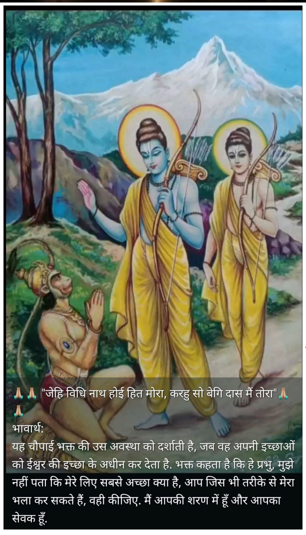

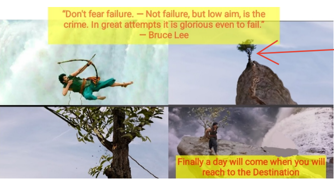

प्रश्नः ऊंची मंजिल पर पहुँचने के लिए कौन सा डर निकल जाना चाहिए?

उत्तर:-कई बच्चे माया के तूफानों से बहुत डरते हैं। कहते हैं बाबा तूफान बहुत हैरान करते हैं इनको रोक लो। बाबा कहते बच्चे यह तो बॉक्सिंग है। उस बॉक्सिंग में भी ऐसा नहीं एक ही ओर से वार होता रहे। अगर एक 10 थप्पड़ मारता तो दूसरा 5 जरूर मारेगा, इसलिए तुम्हें डरना नहीं है। महावीर बन विजयी बनना है, तब ऊंची मंजिल पर पहुँच सकेंगे।

m.m.m....imp.

Then only

Give open challenge to Maya Ravan: "Shake me if you can, I am invincible"

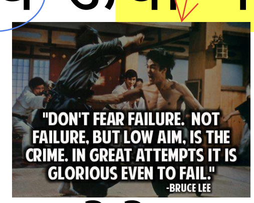

गीत:-दर पर आये हैं कसम लेके...... Click

{दर पे आये हैं कसम ले
दिल हथेली पर है सुन ले, हम न जायेंगे} X 2

जिंदगी में तो किसी से प्यार करना था ज़रूर
प्यार करना था ज़रूर
मर गए हम आप पर, वैसे भी मरना था ज़रूर
हाँ जी मरना था ज़रूर
जान लब पर है कसम ले
साँस जब तक है तू सुन ले, हम न जायेंगे

दर पे आये हैं कसम ले
दिल हथेली पर है सुन ले, हम न जायेंगे

listen it carefully
Baba says us:-

यूँ न ठोकर मारिये के टूट जायेगा ये दिल
टूट जायेगा ये दिल
आप पछतायेंगे फिर न हाथ आयेगा ये दिल
हाथ आयेगा ये दिल

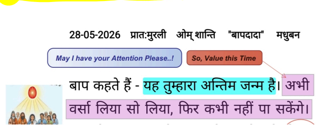
28-05-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन
May I have your Attention Please..! So, Value this Time
बाप कहते हैं - यह तुम्हारा अन्तिम जन्म है। अभी वर्सा लिया सो लिया, फिर कभी नहीं पा सकेंगे।

ले इसी दिल की कसम ले
ख़ाक होकर भी तू सुन ले, हम न जायेंगे

दर पे आये हैं कसम ले
दिल हथेली पर है सुन ले, हम न जायेंगे

मैकदा भी राह में था, छोड़ आये हैं उसे
छोड़ आये हैं उसे
जाम अपने हाथ में था, तोड़ आये हैं उसे
तोड़ आये हैं उसे
तेरे प्यासे हैं कसम ले
दूर से आये हैं सुन ले, हम न जायेंगे

दर पे आये हैं कसम ले
दिल हथेली पर है सुन ले, हम न जायेंगे

:S: ज्ञान योग धारणा).

Refer last (11) Pages for अंतिम साक्षात्कार

09-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

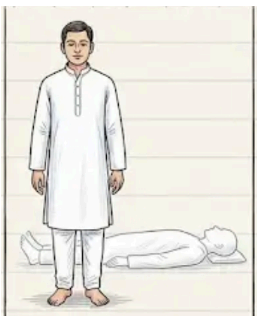

ओम् शान्ति। बच्चों ने गीत सुना। जरूर गीत में कोई रहस्य भरा हुआ है। जो रिकार्ड खरीद कर बाप बैठ इनका अर्थ समझाते हैं। इसको कहा जाता है - जीते जी मरकर बाप का बनना। बाप का बनने के बाद टीचर का बनना, टीचर के बाद फिर मैजारिटी गुरू करते हैं। क्रिश्चियन लोग को भी जब बच्चा पैदा होता है तो क्रिश्चियनाइज़ करते हैं। गुरू की गोद में जाकर देते हैं। फिर पादरी हो या कोई भी हो। पादरी तो क्राइस्ट नहीं हुआ। कहेंगे उनके नाम पर हम क्रिश्चियन बनते हैं।

–: Baptism :–

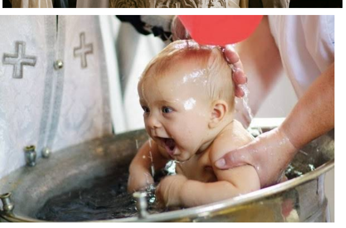

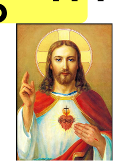

अभी तुम बच्चे पहले बाप के बनते हो, अशरीरी बनते हो। हमारा तन-मन-धन जो कुछ है वह बाबा को अर्पण करते हैं। जीते जी मरते हैं अर्थात् हम आत्मा उनके बनते हैं। यह बुद्धि में रहना है। जो भी मेरी वस्तु है, मेरा शरीर, मेरा धन, दौलत, सम्बन्धी आदि जो कुछ हैं सबको भूलते हैं। मरने बाद सब भूल जाता है ना। कितनी बड़ी मंजिल है।

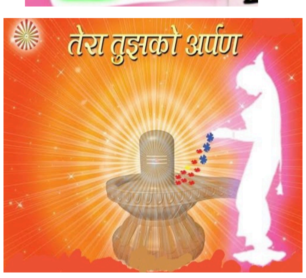

Points: ज्ञान योग धार

Most imp

Just like that
Do it जीते जी...

हम अशरीरी आत्मा हैं। यह पक्का करना है। ऐसे नहीं तुम शरीर छोड़ और मर पड़ते हो। नहीं, आत्मा कम्पलीट पवित्र थोड़ेही बनी है। भल बाप के बने हो परन्तु बाबा कहते हैं - तुम्हारी आत्मा अपवित्र है। आत्मा के पंख टूटे हुए हैं। अभी आत्मा उड़ नहीं सकेगी। तमोप्रधान होने कारण एक भी मनुष्य वापिस जा नहीं सकते। माया ने एकदम पंख तोड़ दिये हैं। बाबा ने समझाया है आत्मा सबसे तीखी जाती है। उनसे तीखी चीज़ कोई होती नहीं। आत्मा से कोई पहुँच नहीं सकता। पिछाड़ी में मच्छरों सदृश्य सब आत्मायें भागती हैं। कहाँ जाती हैं? बहुत दूर-दूर सूर्य चांद से भी पार। वहाँ से फिर लौटना नहीं है। उन्हों के रॉकेट आदि तो जाकर फिर लौट आते हैं। सूर्य तक तो पहुँच नहीं सकते। तुमको तो उनसे बहुत दूर जाना है। सूक्ष्मवतन से ऊपर मूलवतन में जाना है। आत्मा को पंख मिल जाते हैं। हिसाब-किताब चुक्तू कर आत्मा पवित्र बन जाती है। कयामत के समय की महिमा बहुत लिखी हुई है। सभी आत्माओं को हिसाब-किताब चुक्तू कर जाना है। अभी तो सब

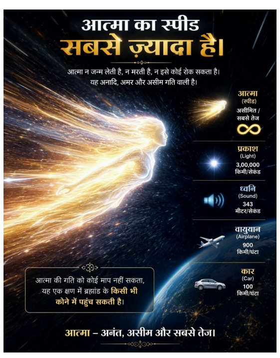

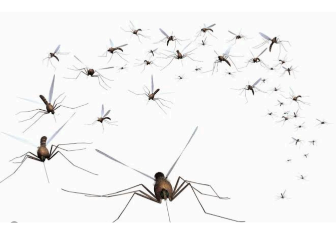

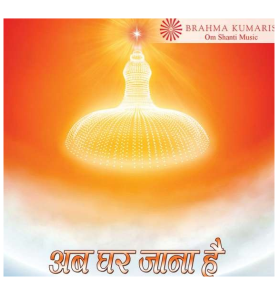

09-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

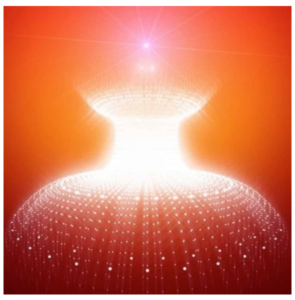

आत्मायें मैली, पाप आत्मा हैं। भल बड़े गुरू साधू-संन्यासी आदि हैं। समझते हैं हम गुरू हैं। अहम् ब्रह्मस्मि... अहम् ब्रह्मोह्म। हम ब्रह्म में पहुँचे हुए हैं। अब बैठे हुए हैं यहाँ, ब्रह्म में फिर कहाँ पहुँचे हुए हैं। अभी तुम जानते हो हम आत्मायें ब्रह्म में रहने वाली हैं। परन्तु अभी वहाँ कोई भी जा नहीं सकते। सब आत्मायें यहाँ पुनर्जन्म लेती हैं। यह बेहद का ड्रामा है। सब एक्टर्स को पार्ट बजाने वहाँ से आना जरूर है। सबकी आत्मायें स्टेज पर आई हैं। जब विनाश का समय होता है तो सब आ जाते हैं, वहाँ रहकर क्या करेंगे! एक्टर बिगर पार्ट बजाए घर में थोड़ेही बैठ जायेगा। नाटक में जरूर आना पड़ेगा। वहाँ से जब सब चले आते हैं तब फिर बाप सबको ले जाते हैं। बाप कहते हैं मैं भल यहाँ हूँ तो भी आत्मायें आती रहती हैं, वृद्धि को पाती रहती हैं, नम्बरवार। फिर तुम जायेंगे भी नम्बरवार। सारा तुम्हारी अवस्था पर मदार है, इसलिए तुम्हें मरजीवा बनना है। हम आत्मा हैं यह निश्चय करना मेहनत है। बच्चे घड़ी-घड़ी देह-अभिमान में आकर भूल जाते हैं। देही-अभिमानी तब रहेंगे जब

Most imp

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

09-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

कम्पलीट सरेन्डर होंगे, बाबा यह सब आपका है। मैं भी आपका हूँ। यह देह जैसेकि हमारी नहीं है, इनको मैं छोड़ देता हूँ। बाबा मैं आपका हूँ। बाबा कहते हैं मेरा बन और सबसे ममत्व मिटा दो। बाकी ऐसे नहीं कि यहाँ आकर बैठ जाना है। तुमको अपना धन्धाधोरी करना है। घर सम्भालना है। बच्चे को कर्जा उतारना है, मात-पिता का। उनकी सेवा कर उजूरा देना है। माँ-बाप की पालना

कर्मों की गुह्य गति

का कर्ज चढ़ता है बच्चों पर। अब बाप तुम्हारी पालना कर रहे हैं। शुरू में जो भी आये थे सबने झट सरेन्डर कर दिया। अपने पास कुछ नहीं रखा, सरेन्डर किया, उस धन से तुम बच्चे भारत को पावन बना रहे हो। भारत ही बिल्कुल पवित्र था।

भारतवासियों जैसा पवित्र सुखी कोई हो नहीं सकता। भारत सबसे बड़ा तीर्थ है। जहाँ पतित-पावन बाप आकर सारे सृष्टि को, पतितों को भी पवित्र बनाते हैं।

अभी यह तत्व आदि सब दुश्मन हैं। अर्थक्वेक होगी, तूफान लगेंगे क्योंकि

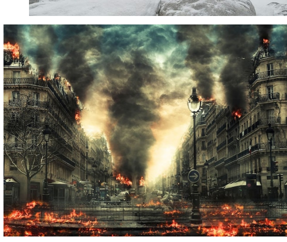

तमोप्रधान हैं। नेचुरल कैलेमिटीज़ आयेंगी, बहुत दु:ख देंगी। इस समय सब दु:ख की चीज़ें हैं।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

सतयुग में हैं सब सुख की चीज़ें। वहाँ यह तूफान वा गर्म वायु आदि कुछ नहीं होता। तुम्हारे में भी यह बातें बहुत थोड़े ही समझते हैं। आज हैं कल नहीं हैं तो कहेंगे कुछ नहीं समझा। भल यहाँ आते हैं परन्तु सब कायम थोड़ेही रहते हैं। यहाँ से गये 10 दिन के बाद समाचार लिखेंगे - बाबा फलाने को माया खा गई। ऐसे होता रहता है। छोटे फूल बड़े हों तो उनमें फल आ जाएं। उनमें फिर दूसरों को आप समान बनाने की ताकत रहती है। उनका फल निकलता है।

मनुष्याणां सहस्त्रेषु कश्चिद्यतति सिद्धये।
यततामपि सिद्धानां कश्चिन्मां वेत्ति तत्त्वतः ॥
हजारों मनुष्योंमें कोई एक मेरी प्राप्तिके लिये यत्न करता है और उन यत्न करनेवाले योगियोंमें भी कोई एक मेरे परायण होकर मुझको तत्त्वसे अर्थात् यथार्थरूपसे जानता है॥ ३ ॥ Adhyay (7)

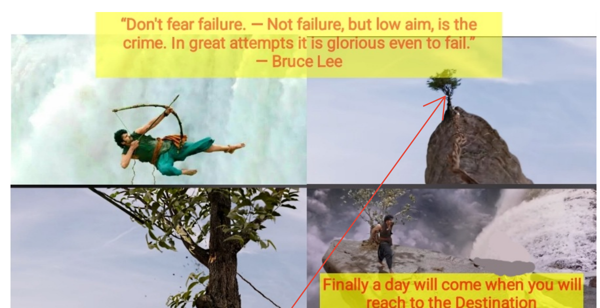

बाप के बने फिर प्रजा भी बनानी है, वारिस भी बनाना है। पण्डे बन बाबा के पास आयें, बस हम पहुँच गये। नहीं, मंजिल है बड़ी। कहते हैं माया के तूफान बहुत आते हैं। तुम बाप के बने हो, तूफान तो आयेंगे। कहते हैं, बाबा हम आपके थे। आपसे वर्सा लिया था फिर पुनर्जन्म लेते 84 जन्म पास किया फिर आकर आपका बने हैं। मैं तो आपसे

ये पक्का समझ लो..

So, Be Prepared

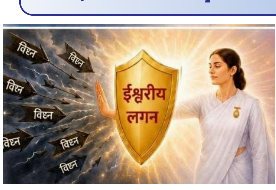

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

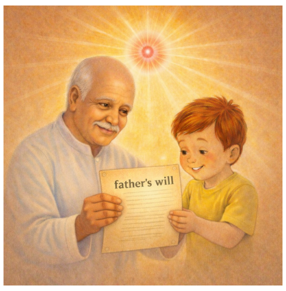

वर्सा लेकर छोड़ूँगा। तो ऐसे बाप को इतना याद करना पड़े और आप समान बनाए फल देना पड़े। नहीं तो माला कैसे बनेगी। बाप का वारिस कैसे बनायेंगे। प्रजा भी चाहिए, वारिस भी चाहिए, जो गद्दी पर बैठे। बाप के पास तो बहुत आते हैं फिर फारकती दे देते हैं। बुद्धि का योग टूटा, खेल खत्म।

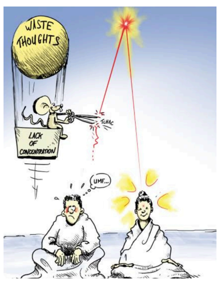

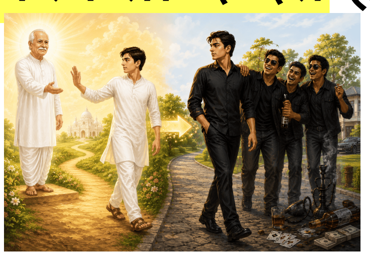

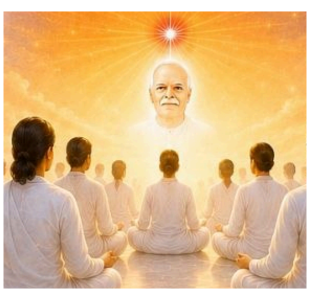

कई बच्चे बाबा से आकर पूछते हैं - बाबा अवस्था को कैसे जमायें, कोई तूफान न लगे। इसका रास्ता

ये पक्का समझ लो..

तो बताते ही रहते हैं, बाप को याद करो। तूफान तो

Simple Logic

लगेंगे। बॉक्सिंग में ऐसा कभी देखा जो कोई एक ही थप्पड़ खाता रहे। जरूर दोनों में ही हिम्मत होगी। 5 थप्पड़ अगर एक लगायेगा तो 10 दूसरा लगाता होगा। यह भी बॉक्सिंग है। बाप को याद करते रहेंगे तो माया भागती जायेगी परन्तु फट से तो नहीं होगा। माया से कुश्ती लड़नी है। ऐसे मत समझो माया थप्पड़ नहीं मारेगी। भल कोई भी हो, बड़ी बॉक्सिंग है। बहुत डर जाते हैं, माया एकदम

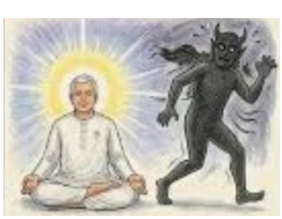

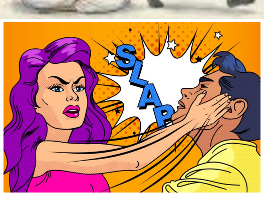

No matter who you are..

We are at War

नाक में दम कर देती है। युद्धस्थल है ना। बुद्धियोग लगाने में माया बड़े विघ्न डालती है। मेहनत सारी योग में है। भल बाबा कहते हैं ज्ञानी तू आत्मा मुझे प्रिय है। परन्तु ऐसे नहीं सिर्फ ज्ञान देने वाले प्रिय हैं। पहले तो योग पूरा चाहिए। बाप को याद करना है। माया के विघ्नों से डरना नहीं है। विश्व का मालिक बनते हो ना। सब बनेंगे? 16108 की माला तो बहुत बड़ी है। अन्त में आकर पूरी होगी। त्रेता अन्त तक कितने प्रिन्स-प्रिन्सेज बनते हैं, कुछ तो निशानियाँ हैं ना। 8 की भी निशानी है। 108 की भी निशानी है। यह बिल्कुल राइट है। त्रेता अन्त में इतने 16108 प्रिन्स-प्रिन्सेज होते हैं। शुरू में तो नहीं होंगे। पहले थोड़े होते हैं फिर वृद्धि होती जाती है। वह सब बनते यहाँ हैं। चांस बहुत अच्छा है परन्तु मेहनत बहुत है। गीत में भी कहते हैं, कभी नहीं छोड़ूँगा, मर जाऊंगा...। बाबा यह तन-मन-धन सब आपका है। हम अशरीरी बन आपको याद करते हैं। बुद्धियोग आपसे लगायेंगे। बाबा फिर कहते हैं यह सब तुम बच्चों के लिए ही है। बच्चे कहते हैं - हमारा सब कुछ आपका है। कहते

Point to be Noted

समझा?

09-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

हैं ना, यह सब भगवान ने दिया है! अब बाप कहते है - यह सब खत्म हो जाना है। तुम्हारे पास क्या है? यह शरीर भी खत्म हो जायेगा। अब मैं फिर तुमको बदली कर देता हूँ। सिर्फ एक्सचेंज करते हैं ना। तो बाप कहते हैं - बच्चे अशरीरी बनो। मुझे याद करो।

Most imp

बुद्धि से सब कुछ सरेन्डर करो। राजा हरिश्चन्द्र की कथा है ना। बोला अमानत रख दो।

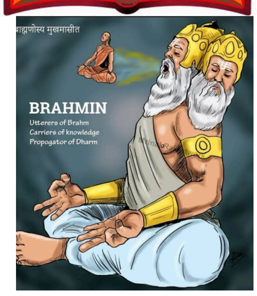

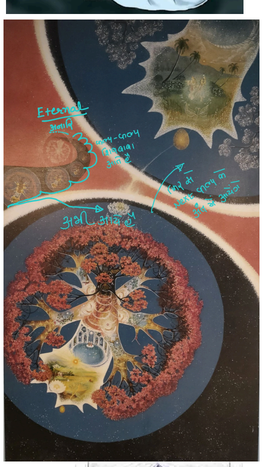

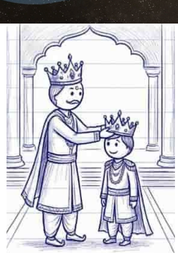

बाप कहते हैं - इन सभी शास्त्रों आदि का सार तुमको समझाता हूँ। मैंने ही तुम्हें ब्रह्मा मुख द्वारा राजा-रानी बनाया था फिर अब बनाता हूँ। कभी भी मनुष्य, मनुष्य को गीता सुनाए, राजयोग सिखलाए राजा-रानी बना न सकें। फिर गीता सुनने से क्या फायदा। बाप कहते हैं - मैं खुद कल्प-कल्प आकर तुमको स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ। हमारे बनेंगे तब तो वारिस बनेंगे ना। तो जितना योग में रहेंगे उतना शुद्ध बनते जायेंगे। बाबा यह सब आपका है। हम तो ट्रस्टी हैं। आपके हुक्म

Words of world Almighty Authority

ये पक्का समझ लो..

ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

बिगर हम कुछ भी नहीं करेंगे। शरीर निर्वाह कैसे करना है - वह भी मत लेते हैं। अक्सर करके गरीब ही पूरा पोतामेल देते हैं। साहूकार दे न सकें। सरेन्डर हो नहीं सकते, कोई विरला निकलता है। जैसे एक जनक का नाम है। बाल-बच्चे हैं, ज्वॉइंट प्रॉपर्टी है तो वह अलग कैसे हो। साहूकार लोग अपनी प्रापर्टी निकालें कैसे, जो सरेन्डर हों? बाप है ही गरीब निवाज़। सबसे गरीब मातायें हैं, उनसे जास्ती कन्यायें गरीब हैं। कन्या को कभी वर्से का नशा नहीं होगा। बच्चे को बाप की जागीर का नशा रहता है। तो वह सबको छोड़ फिर वैकुण्ठ का वर्सा लेना पड़े। दान हमेशा गरीब को ही दिया जाता है। भारत है सबसे गरीब, अमेरिका बहुत साहूकार है। उनको वर्सा देते हैं क्या? भारत सबसे साहूकार था और कोई धर्म नहीं था। सिर्फ भारतवासी ही थे, एक भाषा थी। गॉड इज़ वन। मैं वन सावरन्टी, वन धर्म, वन भाषा स्थापन करता हूँ। वन आलमाइटी, वन गवर्मेन्ट स्थापन करता हूँ। वन से फिर टू, थ्री होंगे। अभी कितने धर्म हैं फिर जरूर वन धर्म आना चाहिए। 5 हजार वर्ष की

गरीब नवाज़

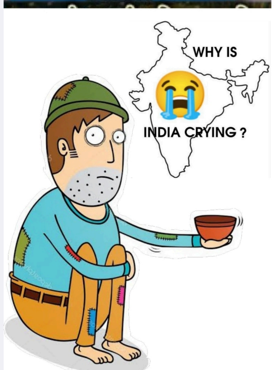

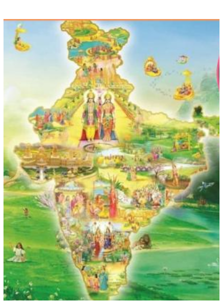

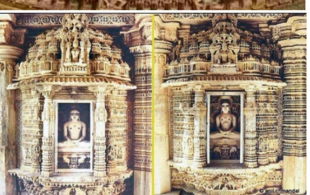

बात है। वन धर्म था। विद्वानों ने सतयुग की आयु लाखों वर्ष लगा दी है। समझते नहीं सतयुग क्या होता है। समझते हैं, स्वर्गवासी हुआ, शायद ऊपर चला गया। देलवाड़ा मन्दिर में भी स्वर्ग ऊपर छत में है। तो मनुष्य मूँझ जाते हैं। वास्तव में स्वर्ग कोई ऊपर नहीं। तुम अभी जानते हो बाबा के पास जाकर फिर यहाँ ही आकर राज्य करेंगे। यह ज्ञान बुद्धि में रहना चाहिए, जो कोई को समझा सको। कच्चे को तो माया चिड़िया खा जायेगी इसलिए फोटो भी मंगाये जाते हैं। रजिस्टर रखा जाता है।

बाबा के पास समाचार आता है फलाने ने एक ही ऐसा ज्ञान का तीर मारा जो मैं बाबा का बन गया। शास्त्रों में भी लिखा हुआ है - कुमारियों द्वारा बाण मरवाये। अरे, बाप को क्यों भूले हो? इसको ज्ञान बाण कहा जाता है। सिर्फ बाप की याद दिलानी है। बाकी कोई हिंसक बाण की बात नहीं है। बाबा कहते हैं - मैं, ब्रह्मा मुख से सब शास्त्रों का राज़

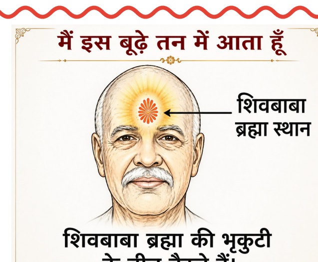

तुम्हें समझाता हूँ। ब्रह्मा तो जरूर यहाँ होना चाहिए। उन्होंने फिर विष्णु के नाभी कमल से ब्रह्मा दिखाया है। जानते कुछ भी नहीं। मनुष्यों को तो जो आया सो लिख दिया। गन्दगी तो बहुत है। रिद्धि-सिद्धि वाले भी बहुत हो गये हैं। सच जब निकलता है तो झूठे उसका सामना करते हैं। अब तुम समझते हो कि शिवबाबा है निराकार और यह ब्रह्मा है साकार। बाकी नाभी आदि की तो कोई बात ही नहीं है। अच्छा!

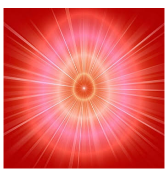

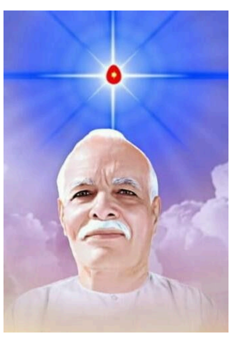

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमार्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

09-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

धारणा के लिए मुख्य सार:-

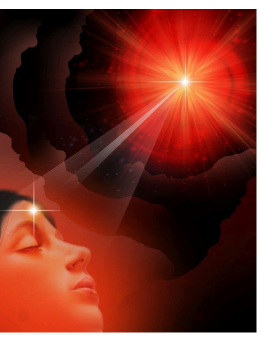

1) अब ज्ञानी तू आत्मा बनना है, सिर्फ ज्ञान सुनने सुनाने वाला नहीं। याद की भी मेहनत करनी है। अशरीरी होकर अशरीरी बाप को याद करना है।

Most imp

क्योंकि माया ऐसे सहज ही याद करने देगी नहीं।

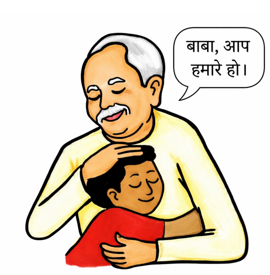

2) बाप का बनकर दूसरी सब बातों से ममत्व मिटा देना है। यह देह भी मेरी नहीं। पूरा देही-अभिमानी बन कम्पलीट सरेन्डर होना है।

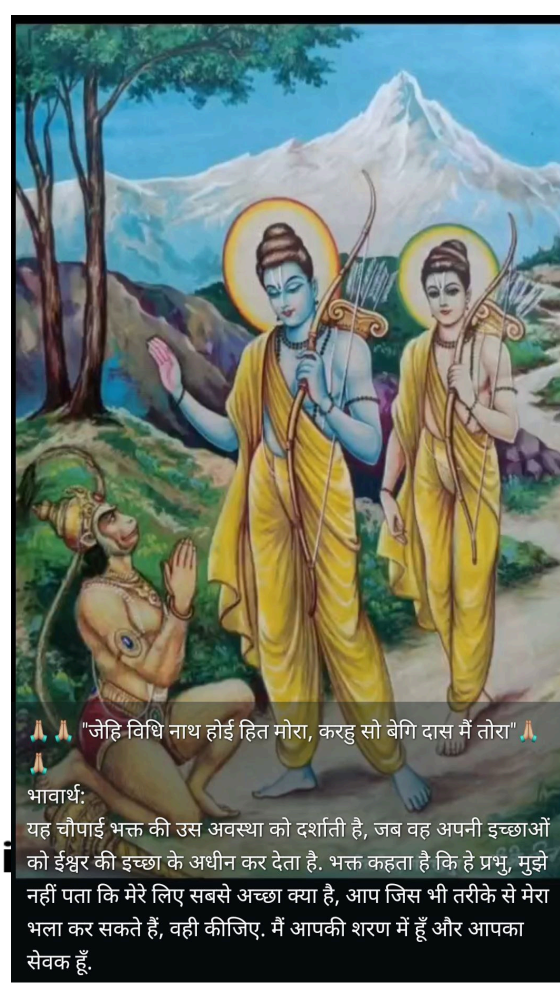

09-06-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

वरदान: मास्टर आलमाइटी अथॉरिटी की सीट पर सेट रहने वाले सहज और सदा के कर्मयोगी भव

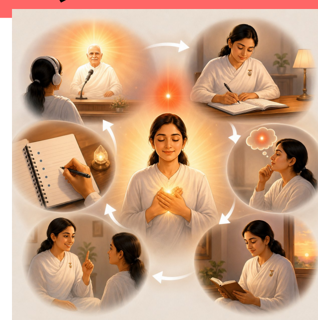

जैसे किसी मशीनरी को सेट किया जाता है तो एक बार सेट करने से फिर आटोमेटिकली चलती रहती है, इसी रीति से मास्टर आलमाइटी अथॉरिटी की स्टेज पर स्वयं को एक बार सेट कर दो तो कभी कमजोरी के शब्द नहीं निकलेंगे।

हर संकल्प, शब्द वा कर्म उसी सेटिंग प्रमाण आटोमेटिक चलते रहेंगे। यही सेटिंग सहज और सदा के लिए कर्मयोगी, निरन्तर निर्विकल्प समाधि में रहने वाला सहजयोगी बना देगी।

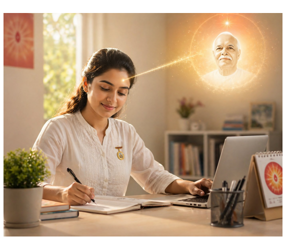

स्लोगन: मैं के बजाए बाबा-बाबा कहना - यही याद का प्रूफ है।

बाबा बाबा

ts: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

ये अव्यक्त इशारे -

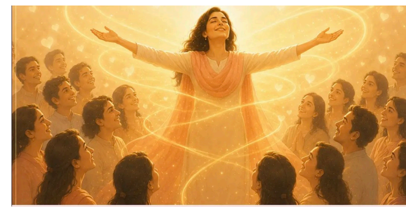

सदा हर्षित रहने के लिए

अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशील बनो।

जो सहनशील है वही ड्रामा की ढाल पर ठहर सकता है और हर्षित रह सकता है।

ये पक्का समझ लो..

सहनशीलता नहीं तो ड्रामा की ढाल को पकड़ना भी मुश्किल है।

इस समय जो भी कर्म करते हो उसमें करन-करावनहार की स्मृति सदा रहे।

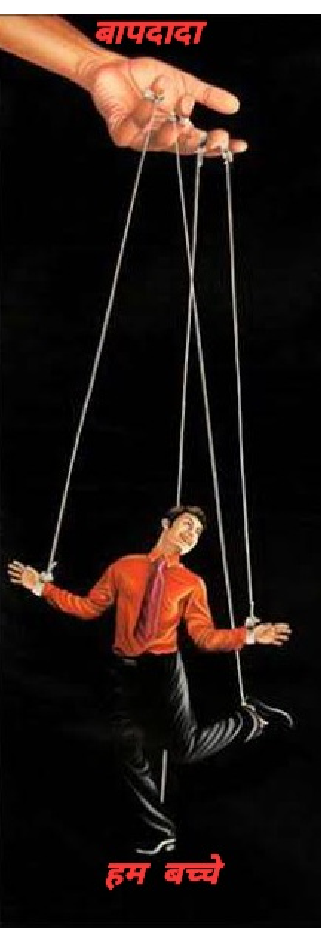

कराने वाला बाप है, करने वाला निमित्त है, अगर यह स्मृति में रख कर्म करो तो अनुभव होगा कि साक्षी हो जैसे पार्ट बजा रहे हैं।

Point धारणा सेवा M.imp.

If you wish to stay connected, Here is the link

TELEGRAM

WhatsApp

WORLD WIDE WEB

BKdrluhar

अव्यक्त बापदादा:

वरदान का फल निकालने के लिए बार-बार वरदान को स्मृति में लाओ। स्मृति स्वरूप के स्थिति में स्थित रहो।

AV: 30/11/2009
Revise: 12/4/26

All वरदान slogans May 26 → Click

All अव्यक्त इशारे May 26 → Click

अव्यक्त बापदादा:

आजकल के जमाने के हिसाब से तो बातें बहुत बदलती जाती हैं। गवर्मेन्ट के कायदे भी बदलने हैं, मनुष्यों की वृत्ति भी बदलनी है। तो हर एक के जीवन में व्यर्थ बातें तो आनी ही हैं, तो व्यर्थ को समाप्त करने के लिए समर्थ संकल्प चाहिए। वेस्ट को खत्म करने के लिए बेस्ट संकल्प चाहिए। तो रोज़ की मुरली में जो वरदान, स्लोगन आता है उसे सुनो। यह वरदान ही श्रेष्ठ संकल्प है। जब व्यर्थ आवे तो श्रेष्ठ संकल्प मन को चाहिए। मन खाली नहीं रह सकता है। मन को कुछ न कुछ संकल्प चाहिए। तो व्यर्थ वेस्ट को बेस्ट करने के लिए आपको यह वरदान और स्लोगन आदि के शब्द मन को चेंज करने के लिए चाहिए।

Remedy

Subtle Psychology

AV: 15/03/2010
Revise: 31/05/2026

All वरदान, slogans and अव्यक्त इशारे At Single place → Click

ओम शांति ,
1 जून से टीम हाइलाइटेड मुरली ने एक नई पहल शुरू की है इस Mind map के रूप में।

इस नई पहल का उद्देश्य यह है कि
आप दिन में कर्म करते हुए या ट्रैवलिंग करते हुए कहीं पर भी, थोड़े से ही समय में ज्ञान,योग,धारणा और सेवा जो हमारे चार मुख्य सब्जेक्ट है उसके main Points को Quickly Revise कर सके और उसका मंथन करते हुए बाबा की याद में एवं स्वदर्शन चक्र फिराने में डूबे रह सके जिससे कि व्यर्थ के आने की कोई मार्जिन ही न रहे।

मीठे बापदादा हमसे चाहते है कि "मेरा हर एक बच्चा व्यर्थ से मुक्त बन जाए।" और व्यर्थ मिटाने का सबसे सरल साधन है निरन्तर समर्थन चिन्तन। और मुरली है सर्व समर्थ साधन - क्योंकि मुरली है सर्व शक्तिमान शिवबाबा का मन। तो मुरली के मंथन में व्यस्त रहना अर्थात उस Supreme powerhouse से अपने मन की तार को जोड़ना।

चूं की यह एकदम नई सेवा है तो आप अपना feedback अवश्य भेजें ताकि Team इस सेवा का एनालिसिस कर के सेवा में improvement कर सके एवं इस सेवा की दिशा को भी जान सके (सेवा जिस उद्देश से शुरू की है वो सार्थक हो रहा है कि नहीं)।

आपका Feedback इस गूगल फॉर्म में submit कीजिए।

Click

इस mind map में,
मुरली की Main Body को ही ध्यान में लिया गया है।
अर्थात सार,प्रश्नोत्तर,धारणा, वरदान, स्लोगन ,अव्यक्त इशारों को include नहीं किया है।

SM 09.06.2026

ज्ञान

- **आत्मा**
  - तुम बच्चे पहले बाप के बनते हो, अशरीरी बनते हो।
  - हमारा तन-मन-धन जो कुछ है वह बाबा को अर्पण करते हैं।
  - जीते जी मरते हैं अर्थात् हम आत्मा उनके बनते हैं।
    - जो भी मेरी वस्तु है, मेरा शरीर, मेरा धन, दौलत, सम्बन्धी आदि जो कुछ हैं सबको भूलते हैं।
    - मरने बाद सब भूल जाता है ना।
    - ऐसे नहीं तुम शरीर छोड़ और मर पड़ते हो।
  - आत्मा कम्पलीट पवित्र थोड़ेही बनी है।
  - भल बाप के बने हो परन्तु बाबा कहते हैं तुम्हारी आत्मा अपवित्र है।
  - आत्मा के पंख टूटे हुए हैं। अभी आत्मा उड़ नहीं सकेगी
  - आत्मा सबसे तीखी जाती है। उनसे तीखी चीज़ कोई होती नहीं।
  - पिछाड़ी में मच्छरों सदृश्य सब आत्मायें भागती हैं।
    - कहाँ जाती हैं?
      - बहुत दूर-दूर सूर्य चांद से भी पार। वहाँ से फिर लौटना नहीं है।
      - तुमको तो उनसे बहुत दूर जाना है। सूक्ष्मवतन से ऊपर मूलवतन में जाना है।
  - आत्मा को पंख मिल जाते हैं। हिसाब-किताब चुक्तू कर आत्मा पवित्र बन जाती है।
  - अभी तो सब आत्मायें मैली, पाप आत्मा हैं।
  - अभी तुम जानते हो हम आत्मायें ब्रह्म में रहने वाली हैं।
    - परन्तु अभी वहाँ कोई भी जा नहीं सकते।
  - सब आत्मायें यहाँ पुनर्जन्म लेती हैं।
  - हम आत्मा हैं यह निश्चय करना मेहनत है।
    - बच्चे घड़ी घड़ी देह-अभिमान में आकर भूल जाते हैं।
- **परमात्मा**
  - समझाने वाला है ही एक।
  - शरीर निर्वाह कैसे करना है - वह भी मत लेते हैं।
  - बाप है ही गरीब निवाज़।
    - सबसे गरीब मातायें हैं, उनसे जास्ती कन्यायें गरीब हैं।
- **माया**
  - बाप को याद करते रहेंगे तो माया भागती जायेगी परन्तु फट से तो नहीं होगा।
  - माया से कुश्ती लड़नी है।
  - ऐसे मत समझो माया थप्पड़ नहीं मारेगी।
  - बुद्धियोग लगाने में माया बड़े विघ्न डालती है।
  - बहुत डर जाते हैं, माया एकदम नाक में दम कर देती है।
    - युद्धस्थल है ना।
  - माया के विघ्नों से डरना नहीं है।
- **बॉक्सिंग**
  - बॉक्सिंग में ऐसा कभी देखा जो कोई एक ही थप्पड़ खाता रहे।
  - जरूर दोनों में ही हिम्मत होगी।
  - 5 थप्पड़ अगर एक लगायेगा तो 10 दूसरा लगाता होगा।
  - भल कोई भी हो, बड़ी बॉक्सिंग है।
- **ब्रह्मा**
  - मैं, ब्रह्मा मुख से सब शास्त्रों का राज़ तुम्हें समझाता हूँ।
  - ब्रह्मा तो जरूर यहाँ होना चाहिए।
    - उन्होंने फिर विष्णु के नाभी कमल से ब्रह्मा दिखाया है। जानते कुछ भी नहीं।
  - अब तुम समझते हो कि शिवबाबा है निराकार और यह ब्रह्मा है साकार।
    - बाकी नाभी आदि की तो कोई बात ही नहीं है।

ज्ञान

- **ड्रामा**
  - एक्टर बिगर पार्ट बजाए घर में थोड़ेही बैठ जायेगा। नाटक में जरूर आना पड़ेगा।
  - यह बेहद का ड्रामा है। सब एक्टर्स को पार्ट बजाने वहाँ से आना जरूर है।
  - यह बेहद का ड्रामा है।
  - सबकी आत्मायें स्टेज पर आई हैं।
- **बाबा कहते हैं**
  - बाप कहते हैं मैं भल यहाँ हूँ तो भी आत्मायें आती रहती हैं, वृद्धि को पाती रहती हैं, नम्बरवार।
  - बाबा कहते हैं मेरा बन और सबसे ममत्व मिटा दो।
    - बाकी ऐसे नहीं कि यहाँ आकर बैठ जाना है।
    - तुमको अपना धन्धाधोरी करना है। घर सम्भालना है।
    - बच्चे को कर्जा उतारना है, मात-पिता का। उनकी सेवा कर उजूरा देना है।
  - बाप कहते हैं - इन सभी शास्त्रों आदि का सार तुमको समझाता हूँ।
    - मैंने ही तुम्हें ब्रह्मा मुख द्वारा राजा-रानी बनाया था फिर अब बनाता हूँ।
  - बाप कहते हैं - मैं खुद कल्प-कल्प आकर तुमको स्वर्ग का मालिक बनाता हूँ।
    - हमारे बनेंगे तब तो वारिस बनेंगे ना।
  - बाबा कहते हैं ज्ञानी तू आत्मा मुझे प्रिय है। परन्तु ऐसे नहीं सिर्फ ज्ञान देने वाले प्रिय हैं।
    - पहले तो योग पूरा चाहिए।
  - बाबा फिर कहते हैं यह सब तुम बच्चों के लिए ही है।
  - अब बाप कहते है यह सब खत्म हो जाना है। तुम्हारे पास क्या है? यह शरीर भी खत्म हो जायेगा।
  - बुद्धि से सब कुछ सरेन्डर करो।
- **Characters**
  - गरीब
    - अक्सर करके गरीब ही पूरा पोतामेल देते हैं। जैसे एक जनक का नाम है। बाल-बच्चे हैं, ज्वॉइंट प्रॉपर्टी है तो वह अलग कैसे हो। साहूकार लोग अपनी प्रापर्टी निकालें कैसे, जो सरेन्डर हों?
  - साहूकार
    - साहूकार दे न सकें। सरेन्डर हो नहीं सकते, कोई विरला निकलता है।
  - Add text
- **Special points**
  - बाबा अपना अनुभव भी सुनाते हैं। कैसे बाबा से बातें करता हूँ। बाबा कैसा वन्डरफुल यह ड्रामा आप कैसे आकर पतित से पावन बनाते हो! सारी दुनिया को कैसे पलटाते हो !
  - बाबा यह सब आपका है। हम तो ट्रस्टी हैं। आपके हुक्म बिगर हम कुछ भी नहीं करेंगे।
- **Other points**
  - भल बड़े गुरू साधू-संन्यासी आदि हैं। समझते हैं हम गुरू हैं। अहम् ब्रह्मस्मि... अहम् ब्रह्मोह्म। हम ब्रह्म में पहुँचे हुए हैं। अब बैठे हुए हैं यहाँ, ब्रह्म में फिर कहाँ पहुँचे हुए हैं।

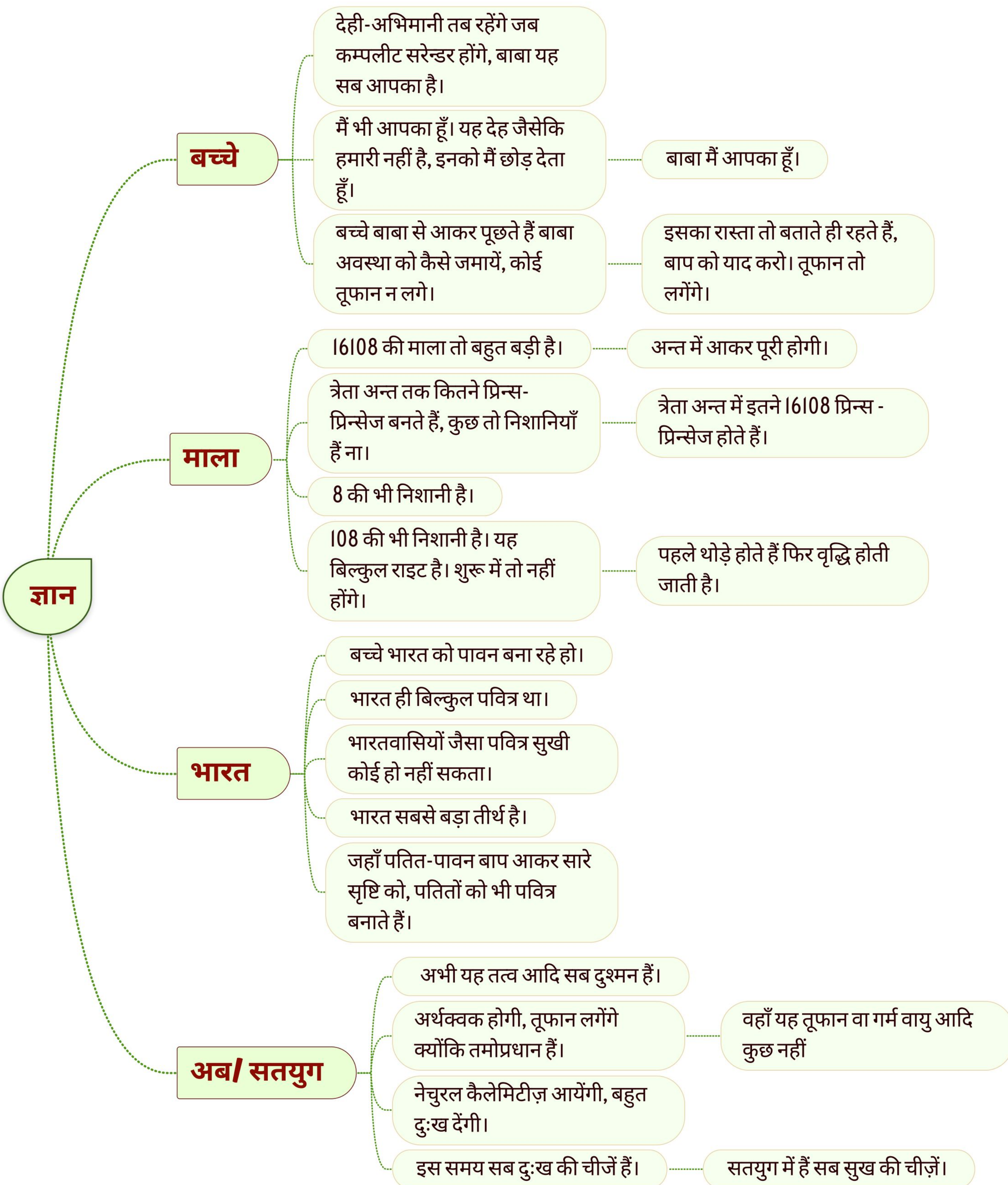
ज्ञान
बच्चे
देही-अभिमानी तब रहेंगे जब कम्पलीट सरेन्डर होंगे, बाबा यह सब आपका है।
मैं भी आपका हूँ। यह देह जैसेकि हमारी नहीं है, इनको मैं छोड़ देता हूँ।
बाबा मैं आपका हूँ।
बच्चे बाबा से आकर पूछते हैं बाबा अवस्था को कैसे जमायें, कोई तूफान न लगे।
इसका रास्ता तो बताते ही रहते हैं, बाप को याद करो। तूफान तो लगेंगे।
माला
16108 की माला तो बहुत बड़ी है।
अन्त में आकर पूरी होगी।
त्रेता अन्त तक कितने प्रिन्स-प्रिन्सेज बनते हैं, कुछ तो निशानियाँ हैं ना।
त्रेता अन्त में इतने 16108 प्रिन्स - प्रिन्सेज होते हैं।
8 की भी निशानी है।
108 की भी निशानी है। यह बिल्कुल राइट है। शुरू में तो नहीं होंगे।
पहले थोड़े होते हैं फिर वृद्धि होती जाती है।
भारत
बच्चे भारत को पावन बना रहे हो।
भारत ही बिल्कुल पवित्र था।
भारतवासियों जैसा पवित्र सुखी कोई हो नहीं सकता।
भारत सबसे बड़ा तीर्थ है।
जहाँ पतित-पावन बाप आकर सारे सृष्टि को, पतितों को भी पवित्र बनाते हैं।
अब/ सतयुग
अभी यह तत्व आदि सब दुश्मन हैं।
अर्थक्वक होगी, तूफान लगेंगे क्योंकि तमोप्रधान हैं।
वहाँ यह तूफान वा गर्म वायु आदि कुछ नहीं
नेचुरल कैलेमिटीज़ आयेंगी, बहुत दु:ख देंगी।
इस समय सब दु:ख की चीजें हैं।
सतयुग में हैं सब सुख की चीज़ें।

योग

- हम अशरीरी आत्मा हैं। यह पक्का करना है।
- बाप कहते हैं – बच्चे अशरीरी बनो। मुझे याद करो।
- जितना योग में रहेंगे उतना शुद्ध बनते जायेंगे।
- बाप को याद करो। तूफान तो लगेंगे।

धारणा

- अब ज्ञानी तू आत्मा बनना है, सिर्फ ज्ञान सुनने सुनाने वाला नहीं।
- याद की भी मेहनत करनी है।
- अशरीरी होकर अशरीरी बाप को याद करना है।
- बाप का बनकर दूसरी सब बातों से ममत्व मिटा देना है।
- यह देह भी मेरी नहीं। पूरा देही-अभिमानी बन कम्पलीट सरेन्डर होना है।
- सारा तुम्हारी अवस्था पर मदार है, इसलिए तुम्हें मरजीवा बनना है।
- बाप के बने फिर प्रजा भी बनानी है, वारिस भी बनाना है।
  - Add text

करके दिखायें। इसमें हर एक को इन्डीपिन्डेंट अपनी तकदीर ऊंच बनाने के लिए पढ़ना है। अगर श्रीमत पर नहीं चलते तो फिर इतना ऊंच पद भी नहीं पा सकेंगे। अभी पास नहीं हुए तो कल्प कल्पान्तर नहीं होंगे। तुमको सब साक्षात्कार होंगे - हम किस पद पाने के लायक हैं? अपने पद का भी साक्षात्कार करते रहेंगे। शुरू में भी साक्षात्कार

m.m.m. Imp.

Point to ponder deeply

Take it Seriously...

Coming Soon...

Mind Very Well...

अब तो जागो....

Attention Please...!

करते थे फिर बाबा सुनाने के लिए मना कर देते थे। पिछाड़ी में सब पता पड़ेगा कि हम क्या बनेंगे फिर कुछ नहीं कर सकेंगे। कल्प-कल्पान्तर की यह हालत हो जायेगी। डबल सिरताज, डबल राज्य-भाग्य पा नहीं सकेंगे। अभी पुरुषार्थ करने की मार्जिन बहुत है, त्रेता के अन्त तक 16108 की बड़ी माला बननी है। यहाँ तुम आये ही हो नर से नारायण बनने का पुरुषार्थ करने। जब कम पद का साक्षात्कार होगा तो उस समय जैसे नफरत आने लगेगी। मुँह नीचे हो जायेगा। हमने तो कुछ भी पुरुषार्थ नहीं किया। बाबा ने कितना समझाया कि चार्ट रखो यह करो इसलिए बाबा कहते थे जो भी बच्चे आते हैं सबके फ़ोटोज़ हों। भल ग्रुप का

समजा?

अब तो जागो....

अभिमानी बनो। देह को भूल जाना है। पिछाड़ी में तुम बहुत कोशिश करने लग पड़ेंगे, अभी तुम समझते नहीं हो। पिछाड़ी में बहुत-बहुत पछतायेंगे। बाबा साक्षात्कार भी करायेंगे। यह-यह पाप किये हैं। अब खाओ सज़ा। पद भी देखो। शुरू में भी ऐसे साक्षात्कार करते थे फिर पिछाड़ी में भी साक्षात्कार करेंगे। 05/09/25

Note it Down

Shiv भगवान उवाच:

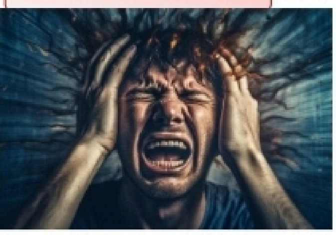

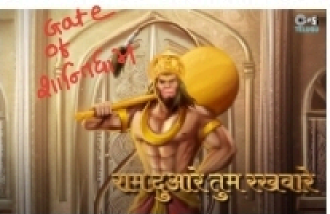

Coming soon...

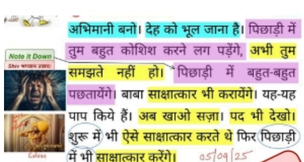
अभिमानी बनो। देह को भूल जाना है। पिछाड़ी में तुम बहुत कोशिश करने लग पड़ेंगे, अभी तुम समझते नहीं हो। पिछाड़ी में बहुत-बहुत पछतायेंगे। बाबा साक्षात्कार भी करायेंगे। यह-यह पाप किये हैं। अब खाओ सज़ा। पद भी देखो। शुरू में भी ऐसे साक्षात्कार करते थे फिर पिछाड़ी में भी साक्षात्कार करेंगे। 05/09/25

Shiv भगवान उवाच:

Take it Seriously..

29/11/25

तुम आगे चलकर बहुत साक्षात्कार करेंगे। तुमको अपनी पढ़ाई का सब पता पड़ेगा। जो अभी ग़फलत करते हैं फिर बहुत रोयेंगे। सज़ायें भी तो बहुत होती हैं ना। फिर पद भी भ्रष्ट हो जाता है। मुंह ऊंचा कर नहीं सकेंगे इसलिए बाप कहते हैं - मीठे-मीठे बच्चों, पुरुषार्थ कर पास हो जाओ, जो कुछ भी सज़ा नहीं खानी पड़े तब पूजन लायक भी बनेंगे। सज़ा खाई तो फिर थोड़ेही पूजे जायेंगे। तुम बच्चों को पुरुषार्थ बहुत करना चाहिए। अपनी

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

पता नहीं पड़ेगा कि हम बेहद के बाप से यह वर्सा ले आये हैं। यह ज्ञान इस समय तुमको मिलता है तो कितना अच्छी रीति पुरुषार्थ करना चाहिए। पुरुषार्थ नहीं करते हैं तो गोया अपने पांव पर कुल्हाड़ा मारते हैं। चार्ट लिखते रहो तो डर रहेगा। कोई-कोई लिखते भी हैं, बाबा देखेंगे तो क्या कहेंगे। चाल-चलन में बहुत फ़र्क रहता है। तो बाप कहते हैं ग़फलत छोड़ो। नहीं तो बहुत पछताना पड़ेगा। अपने पुरुषार्थ का फिर पिछाड़ी में साक्षात्कार जरूर होगा फिर बहुत रोना पड़ेगा। क्या कल्प-कल्प यही वर्सा मिलेगा। दास-दासी जाकर बनेंगे। आगे तो ध्यान में जाकर सुनाते थे - फलानी दासी है, यह है। फिर बाबा ने बंद कर दिया। पिछाड़ी में फिर तुम बच्चों को साक्षात्कार होंगे। साक्षात्कार बिगर सज़ा कैसे मिल सकती। कायदा ही नहीं।

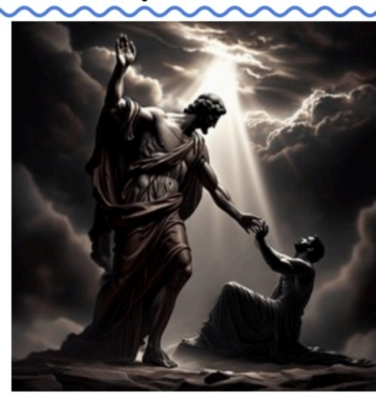

बच्चों को युक्तियां भी बहुत समझाई जाती हैं तुम

करेंगे। बाबा कहते हैं पाप किया है तो रजिस्टर में लिखो और बता दो तो तुम्हारे पाप आधा खलास हो जायेंगे। सुनाते नहीं, छिपा लेंगे तो फिर करते ही रहेंगे। श्राप मिल जाता है। न बतलाने से एक बार के बदले 100 बार करते रहेंगे। बाबा कितनी अच्छी राय देते हैं परन्तु कोई-कोई को ज़रा भी असर नहीं होता है। अपनी तकदीर को जैसे लात मारते रहते हैं। बहुत-बहुत नुकसान करते हैं। अन्त में सबको साक्षात्कार होगा। यह-यह बनेंगे, क्लास में ट्रांसफर होते हैं तो मार्क्स निकलती हैं ना। ट्रांसफर होने पहले रिजल्ट निकलती है। तुम भी अपने क्लास में जाते हो तो मार्क्स का पता पड़ेगा

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Attention Please..! Wake up, 89 years lapsed..

17-10-2025 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

फिर बहुत ज़ार-ज़ार रोयेंगे। फिर क्या कर सकेंगे? रिजल्ट तो निकल गई ना। जो तकदीर में था वो ले लिया। बाप सब बच्चों को सावधान करते हैं। कर्मातीत अवस्था अभी हो न सके। कर्मातीत अवस्था हो जाए तो फिर शरीर छोड़ना पड़े, अभी कुछ न कुछ विकर्म रहे हुए हैं, हिसाब-किताब है इसलिए योग पूरा नहीं लगता है। अभी कोई भी नहीं कह सकते कि हम कर्मातीत अवस्था में हैं।

Point to be Noted

कबीर, पिछले पाप से, हरि चर्चा ना सुहावै। कै ऊँघे कै उठ चलै, कै औरे बात चलावै।।
तुलसी, पिछले पाप से, हरि चर्चा ना भावै। जैसे ज्वर के वेग से, भूख विदा हो जावै।।

भावार्थ:-

जैसे ज्वर यानि बुखार के कारण रोगी को भूख नहीं लगती। वैसे ही पापों के प्रभाव से व्यक्ति को परमात्मा की चर्चा में रूचि नहीं होती। या तो सत्संग में ऊँघने लगेगा
या कोई अन्य चर्चा करने लगेगा। उसको श्रोता बोलने से मना करेगा तो उठकर चला जाएगा।

Attention Please..!

02-02-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति

कहेंगे। चाल-चलन में बहुत फ़र्क रहता है। तो बाप कहते हैं ग़फलत छोड़ो। नहीं तो बहुत पछताना पड़ेगा। अपने पुरुषार्थ का फिर पिछाड़ी में साक्षात्कार जरूर होगा फिर बहुत रोना पड़ेगा।

date :- 17/10/25

बनने। राजा-रानी का और प्रजा का नौकर चाकर बनना - इसमें बहुत फ़र्क है ना। अभी का पुरुषार्थ फिर कल्प-कल्पान्तर के लिए कायम हो जाता है। पिछाड़ी में सबको साक्षात्कार होगा - हमने कितना पुरुषार्थ किया है? अब भी बाप कहते हैं अपनी अवस्था को देखते रहो। मीठे ते मीठा बाबा जिससे स्वर्ग का वर्सा मिलता है, उनको हम कितना याद करते हैं। तुम्हारा सारा मदार ही याद पर है।

समझा?

Self Checking

May I have your Attention Please..!

02-02-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

Mind well

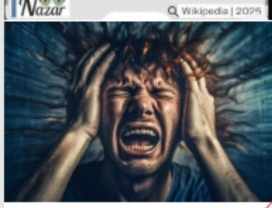

देंगे ना। आत्मायें तो ऊपर में रहती हैं। वहाँ तो वर्से वा प्रालब्ध की बात ही नहीं। तुम अभी पुरुषार्थ कर प्रालब्ध ले रहे हो, जो दुनिया को पता नहीं है। अब समय नज़दीक आता जा रहा है। बॉम्ब्स कोई रखने के लिए नहीं हैं। तैयारियाँ बहुत हो रही हैं। अभी बाप हमको फरमान करते हैं कि मुझे याद करो। नहीं तो पिछाड़ी में बहुत रोना पड़ेगा। राज-विद्या के इम्तहान में कोई नापास होते हैं तो जाकर डूब मरते हैं गुस्से में। यहाँ गुस्से की तो बात नहीं। पिछाड़ी में तुमको साक्षात्कार बहुत होंगे। क्या-क्या हम बनेंगे वह भी पता पड़ जायेगा। बाप का काम है पुरुषार्थ कराना। बच्चे कहते हैं बाबा हम कर्म करते हुए याद करना भूल जाते हैं, कोई फिर

Coming soon... Are you ready?

महादु:खी हो गये हो। अब पुरानी दुनिया का अन्त है। यह पैसा आदि सब मिट्टी में मिल जाना है। भल कोई करोड़पति हैं, राजा हैं, बच्चे पैदा होंगे तो समझेगा यह धन हमारे बच्चों के लिए है। हमारे पुत्र, पोत्रे खायेंगे। बाप कहते हैं कुछ भी खायेंगे नहीं। यह दुनिया ही खत्म होने वाली है। बाकी थोड़ा समय है। विघ्न बहुत पड़ेंगे। आपस में लड़ेंगे। पिछाड़ी में ऐसे लड़ेंगे जो खून की नदियाँ बहेंगी। तुम्हारी तो कोई से लड़ाई नहीं है। तुम योगबल में रहते हो। तुम याद में रहेंगे तो कोई भी तुम्हारे सामने बुरे विचार से आयेंगे तो उनको भयंकर साक्षात्कार हो जायेगा और झट भाग जायेंगे। तुम शिवबाबा को याद करेंगे और वे भाग जायेंगे। जो पक्के बच्चे हैं, पुरुषार्थ में रहते हैं कि

Are you ready?

26/2/26

#Destruction

बाप कहते हैं
हाथों से काम करो,
दिल बाप की याद में रहे।

Attention..!

26-02-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

मेरा तो एक शिवबाबा, दूसरा न कोई। बाप समझाते हैं कि हथ कार डे...बच्चों को घर को भी सम्भालना है। परन्तु तुम आत्मायें बाप को याद करो तो पापों का बोझा भी उतर जायेगा। सिर्फ मुझे याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे, परन्तु नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। फिर

आत्मा पवित्र, शरीर अपवित्र है। अपवित्र चीज़ कभी पूजी नहीं जाती। जब रूद्र माला बनने लायक बन जाते हो फिर अन्त में तुम शुद्ध बन जाते हो। तुमको साक्षात्कार होगा पास विद् ऑनर कौन-कौन होते हैं। सर्विस करने से नामाचार बहुत हो जाता है। मालूम पड़ता जायेगा - विजय माला में नम्बरवार कौन-कौन आयेगा! यह बातें बड़ी गुह्य हैं।

7/3/26

07-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

सब वापिस जाते हैं फिर नयेसिर चक्र शुरू होता है। तुम राजयोग सीखते हो। वही राजाई पायेंगे फिर राजा बनें वा प्रजा बनें। प्रजा तो ढेर बनती है।

समझा?

मेहनत है राजाई पद पाने की। अन्त में पूरा पता पड़ेगा। कौन विजय माला में पिरोये जाते हैं।

Coming soon...

7/3/26

अनपढ़ पढ़े के आगे भरी ढोयेंगे। सतयुग में आयेंगे परन्तु नौकर चाकर बनना पड़ेगा। यह सबको मालूम हो जायेगा। जैसे इम्तहान के दिनों में सबको मालूम पड़ जाता है कौन-कौन पास होंगे।

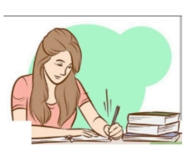

पढ़ाई पर अटेन्शन नहीं होता है तो फेल हो जाते हैं। तुम्हारी यह है बेहद की पढ़ाई। ईश्वरीय विश्व-विद्यालय तो एक है, जहाँ मनुष्य से देवता बनना है,

सके। अब हम आत्मा जायेंगे वापिस घर। पहले प्रिन्स-प्रिन्सेज बनेंगे फिर स्वयंवर बाद लक्ष्मी-नारायण बनेंगे। मनुष्यों को यह पता नहीं है कि राधे-कृष्ण कौन हैं? दोनों अलग-अलग राजधानी के थे फिर उन्हों का स्वयंवर होता है। तुम बच्चों ने ध्यान में स्वयंवर देखा है। शुरू में बहुत साक्षात्कार होते थे क्योंकि पाकिस्तान में तुमको खुशी में रखने के लिए यह सब पार्ट चलते थे। पिछाड़ी में तो है ही मारामारी। अर्थक्वेक आदि बहुत होंगी। तुमको साक्षात्कार होते रहेंगे। हर एक को मालूम पड़ जायेगा हम कौन सा पद पायेंगे। फिर जो कम पढ़े हुए होंगे वह बहुत पछतायेंगे। बाप कहेंगे तुम नहीं पढ़े, न औरों को पढ़ाया, न याद में रहते थे। याद से ही सतोप्रधान बन सकते हो। पतित-पावन तो बाप

13/03/26

Take it Seriously..

पड़ेगी। आगे चल जितना तुम नज़दीक आते जायेंगे, साक्षात्कार होता जायेगा। बाबा हर एक को दिखायेंगे तुमने ऐसा-ऐसा काम किया है। शुरू-शुरू में भी तुमने साक्षात्कार किये हैं। सज़ायें जो भोगते थे वो बहुत ही चिल्लाते थे। बाबा कहते हैं तुमको दिखलाने के लिए इनकी सौगुणी सज़ायें कटवा दी।

Coming soon...

Most imp

Point to be Noted

Point to ponder

तुम बच्चों को अभी ऐसा काम नहीं करना है जो बाबा की सर्विस में विघ्न पड़े। पिछाड़ी में भी सब तुमको साक्षात्कार होंगे। ऐसे-ऐसे तुमने बाप की सर्विस में विघ्न बहुत डाल नुकसान किया है। आसुरी सम्प्रदाय हैं ना। जिन्होंने विघ्न डाले हैं

Attention Please..!

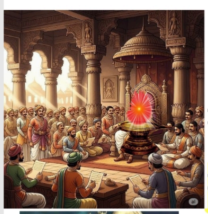

उनको बहुत सजा मिलती है। शिवबाबा की बहुत बड़ी दरबार है। राइटहैण्ड में धर्मराज भी है। वह हैं हद की सजायें। यहाँ तो 21 जन्म का घाटा पड़ जाता है, पद भ्रष्ट हो जाता है। हर बात में बाप समझाते रहते हैं। तो ऐसे कोई न कहे कि हमको पता नहीं था इसलिए बाबा सब सावधानी देते रहते हैं। देखते हैं हर एक सेन्टर में कितने भागन्ती होते हैं। तंग करते हैं। विकारी बन जाते हैं। स्कूल में तो पूरी रीति पढ़ना चाहिए। नहीं तो क्या पद पायेंगे। पद का बहुत फर्क पड़ जाता है। जैसे यहाँ दु:खधाम में कोई प्रेजीडेंट है, कोई साहूकार है, कोई गरीब है वैसे वहाँ सुखधाम में भी पद तो नम्बरवार होंगे। जो रॉयल बुद्धिवान बच्चे होंगे, वह बाप से पूरा वर्सा लेने की कोशिश करेंगे। माया की बाक्सिंग है ना। माया बहुत प्रबल है हार जीत होती रहती है। कितने आते हैं फिर ट्रेटर बन चले जाते हैं। चलते-चलते फेल हो जाते हैं। बहुत कहते हैं यह हो कैसे सकता। यह तो कभी नहीं सुना कि गृहस्थ व्यवहार में रहते पवित्र रह सकते हैं। अरे भगवानुवाच है ना - काम महाशत्रु है। गीता में भी

समझा?

राम दुआरे तुम रखवारे
होत न आज्ञा बिनु पैसारे |

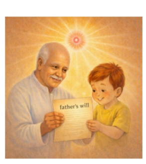

3rd most powerful
Hence, Be Alert All the time

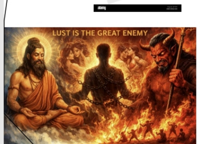

25/03/2025

(1) बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? ड्रामा है फिर उनमें जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? (2) शिवबाबा। और फिर (3) रावण। आधाकल्प है राम राज्य, आधाकल्प है रावण राज्य। घड़ी-घड़ी बाप

हैं। बाप सुख कर्ता, दु:ख हर्ता है। तो तुमको भी सुख कर्ता बनना है। किसको दु:ख नहीं देना है। दु:ख देंगे तो तुम्हारी सज़ा 100 गुणा बढ़ जायेगी। कोई भी सजा से बच नहीं सकता। बच्चों के लिए

No matter who you are...

Attention Please..!

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp. 10

19-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

समझा?

तो खास ट्रिब्युनल बैठती है। बाप कहते कि तुम विघ्न डालेंगे तो बहुत सजा खायेंगे। कल्प-कल्पान्तर तुम साक्षात्कार करेंगे कि फलाने यह बनेंगे। आगे जब देखते थे तो बाबा मना करते थे कि न सुनाओ। अन्त में तो एक्यूरेट मालूम पड़ता जायेगा। आगे चलकर जोर से साक्षात्कार होंगे। वृद्धि तो होती जायेगी। आबू तक क्यू लग जायेगी। बाबा से कोई भी मिल नहीं सकेंगे। कहेंगे अहो प्रभू तेरी लीला। यह भी गाया हुआ तो है ना। विद्वान, पण्डित आदि भी पीछे आयेंगे। उन्हों के सिंहासन भी हिलेंगे। तुम बच्चे तो बहुत खुशी में रहेंगे। अच्छा!

जाती है। माया छोड़ती नहीं है। जितनी सर्विस कर अपनी उन्नति करेंगे उतना ही दिल पर चढ़ेंगे। उतना ही ऊंच पद पायेंगे। फिर कल्प-कल्प ऐसा ही पद होगा। शिवबाबा से तो कोई छिपा नहीं सकता। अन्त में हर एक को अपने कर्मों का साक्षात्कार तो होता है। फिर क्या कर सकेंगे! ज़ार-ज़ार रोना पड़ेगा इसलिए बाबा समझाते रहते हैं कि ऐसा कोई भी कर्म नहीं करो जो अन्त में सज़ा के भागी बनो, पश्चाताप करना पड़े। परन्तु कितना भी समझाओ तकदीर में नहीं है तो तदबीर करते

May I have your Attention Please..!

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp. 11

24-04-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

ही नहीं। आजकल के मनुष्य तो बाप को जानते

4|05|2026

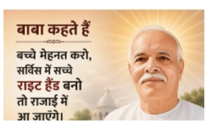

जाते हैं। स्वर्ग में तो यह सब बातें होती नहीं। अकाले मृत्यु कभी होती नहीं, जो स्त्री विधवा बनें, वहाँ तो समय पर एक चोला छोड़ जाकर दूसरा लेते हैं। मेल वा फीमेल का लेंगे, तो यह साक्षात्कार हो जायेगा। पिछाड़ी में सब मालूम पड़ जायेगा। कौन-कौन क्या बनेंगे। फिर उस समय कहेंगे हमने इतना समय मेहनत नहीं की। परन्तु उस समय कहने से क्या होगा। समय तो बीत गया ना इसलिए बाप कहते हैं - बच्चे मेहनत करो, सर्विस में सच्चे राइट-हैण्ड बनो तो राजाई में आ जायेंगे। सर्विस में लगे रहो। मिसाल भी है ना, कैसे कुटुम्ब

Coming soon...

Definition of ब्रह्माकुमारी वह जो बाप द्वारा 21 जन्म का वर्सा दिलाती है। बाप सदा सुख का वर्सा देते हैं। जो

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp. 10

पुछो अपने आप से...

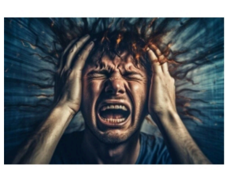

सर्विस करेंगे, लिखेंगे-पढ़ेंगे होंगे नवाब...। राजा बनना अच्छा वा नौकर बनना अच्छा। पिछाड़ी के समय तुमको सब मालूम पड़ जायेगा। हम क्या बनेंगे? फिर पछतायेंगे। हम श्रीमत पर क्यों नहीं चले! बाप कहते हैं - फालो करो। ऐसे भी नहीं कोई